युद्ध ने बढ़ाया संकट मुसीबत में ऑटो सेक्टर

भारत में निर्मित होने वाली कारों के लिए मध्य पूर्व के देश एक बड़ा और प्रमुख बाजार है। लेकिन वहां लगी युद्ध की आग से कार निर्माता कंपनियां मुसीबत में आ गई हैं।

अ सुरक्षा और बढ़े हुए बीमा शुल्क के कारण टाटा, मारुति और हुंडई जैसी कंपनियों को अपनी शिपमेंट रोकनी या टालनी पड़ रही हैं। हालांकि घरेलू बाजार में कारों की मांग पर अभी कोई असर नहीं पड़ा है, बीते माह यात्री और दोपहिया वाहनों की बिक्री में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई है। लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमतें और आर्थिक अनिश्चितता अगर बढ़ती है, तो इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि तमाम लोग नए वाहन खरीदने का फैसला टाल सकते हैं। देश का ऑटोमोबाइल सेक्टर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग से गंभीर दबाव में आ गया है। इसमें सबसे बड़ी चुनौती सप्लाई चेन बनाए रखना और निर्यात की राह में खड़ी बाधाएं हैं। मध्य पूर्व देशों में तनाव और समुद्री रास्तों पर खतरे के कारण भारतीय ऑटो कंपनियों ने मिडिल ईस्ट और अफ्रीका के कुछ देशों में गाड़ियों की शिपमेंट टाल दी हैं। कंपनियों को डर है कि युद्ध के कारण शिपिंग लागत बढ़ सकती है और सुरक्षा का जोखिम भी है। इसी तरह कच्चे माल की आपूर्ति बाधित होने से उत्पादन लागत बढ़ना शुरू हो गई है। इनपुट लागत बढ़ने का असर घरेलू बाजार में कारों की कीमतों और ईवी की मांग पर पड़ सकता है।

- सप्लाई चेन में व्यवधान, दबाव में निर्यात
- लॉजिस्टिक्स और शिपिंग लागत में वृद्धि
- उत्पादन लागत बढ़ने का मंडराता खतरा

भारतीय कारों व दो पहिया वाहनों के लिए बड़ा बाजार है मध्य पूर्व

- मध्य पूर्व और नार्थ अफ्रीका के करीब 20 देशों का क्षेत्र, जिसे 'मीना' कहा जाता है, भारतीय कारों और दो पहिया वाहनों के लिए अहम बाजार है। ऐसे में वैश्विक तनाव से भारतीय ऑटो कंपनियों के सामने सबसे बड़ी चिंता इन देशों को होने वाले निर्यात तथा माल ढुलाई की लागत बढ़ने को लेकर है। हुंडई इंडिया अपने कुल उत्पादन का लगभग 21 फीसदी इन्हीं देशों को निर्यात करती है। टाटा मोटर्स का भी सबसे ज्यादा कारोबार यहां है। अशोक लेलैंड अपने निर्यात का 35 फीसदी इन देशों को भेजती है, तो बजाज ऑटो भी 15 फीसदी तक निर्यात मध्य पूर्व और नॉर्थ अफ्रीका देशों को करता है। जाहिर है, इस स्थिति में युद्ध लंबा खिंचने से जिन कंपनियों का मध्य पूर्व और नॉर्थ अफ्रीका क्षेत्र में ज्यादा निर्यात है, उनकी बिक्री पर तो सीधा असर पड़ेगा, लेकिन बाकी कंपनियों को भी माल ढुलाई दरें और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कच्चे माल की लागत बढ़ने का असर झेलना पड़ेगा।

टायर उद्योग को सता रहा महंगाई की मार का खतरा

मौजूदा संघर्ष से देश के टायर उद्योग की उत्पादन लागत बढ़ सकती है। सप्लाई चेन पर दबाव आ सकता है। वाहन टायर निर्माताओं के संगठन (एटमा) ने केंद्र सरकार को बताया है कि भारत से पश्चिम एशिया को सालाना लगभग 25-26 करोड़ डॉलर के टायरों का निर्यात होता है। होर्मुज स्ट्रेट और स्वेज नहर सहित प्रमुख समुद्री मार्गों में अस्थिरता यूरोप, अमेरिका और अफ्रीका को होने वाली खेपों को प्रभावित कर सकती है, जिससे माल भेजने में देरी और माल ढुलाई की लागत बढ़ सकती है। टायर बनाने में कच्चे माल की लागत का 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा कच्चे तेल से जुड़ा होता है। सिंथेटिक रबर, कार्बन ब्लैक, प्रोसेसिंग ऑयल और टायर कॉर्ड फैब्रिक जैसे मुख्य इनपुट कच्चे तेल से ही आते हैं।

टोयोटा, हुंडई और मारुति ने पिछले साल किया करोड़ों डॉलर का निर्यात

- सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार भारत से साल 2025 में 8.8 बिलियन डॉलर मूल्य की कारों का वैश्विक निर्यात किया गया था, जिसका एक चौथाई हिस्सा सिर्फ मध्य पूर्व के देशों के लिए था। टोयोटा ने पिछले साल 47 करोड़ डॉलर का निर्यात किया, जिसमें 30 करोड़ डॉलर की कीमत की कारें सिर्फ मध्य पूर्व के देशों में भेजी गई थीं। इसी तरह हुंडई मोटर ने करीब 75 करोड़ डॉलर का निर्यात खाड़ी देशों को किया था, जबकि मारुति सुजुकी की मिडिल ईस्ट के निर्यात में हिस्सेदारी करीब 45 करोड़ डॉलर थी।

वाहन पुर्जा उद्योग भी मौजूदा हालात को लेकर परेशान

- वाहन पुर्जा उद्योग ने चेताया है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष और लाल सागर में जहाजों के मार्ग में बाधाओं के कारण निर्यात की लॉजिस्टिक लागत बढ़ रही है, खेप भेजने में में देरी हो रही है तथा महत्वपूर्ण कच्चे माल का आयात बाधित हो रहा है। इसके साथ ही उत्पादन के लिए जरूरी एलपीजी और पीएनजी की उपलब्धता को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष विक्रमपति सिंघानिया का कहना है कि निर्यात के उत्पादन से जुड़े प्रमुख इनपुट का निर्यात और आयात दोनों ही प्रभावित हो रहे हैं।

ऑटो न्यूज

42 % स्कूटरों की बिक्री में पिछले माह दर्ज हुआ उछाल

- स्कूटरों की बिक्री में बीते माह फरवरी में 42.3% का बड़ा उछाल आया। देश भर में 7,29,774 यूनिट स्कूटरों की खरीद हुई। इसके मुकाबले मोटरसाइकिलों की बिक्री में 30.8% की वृद्धि दर्ज की गई और 10,96,537 यूनिट बाइक्स बेची गईं। इस तरह फरवरी में टू-व्हीलर की बिक्री में कुल मिलाकर 35.2% की बढ़त सामने आई और 18,71,406 यूनिट लोगों ने खरीदीं। इसके मुकाबले पिछले साल इस माह में 13,84,605 यूनिट टू-व्हीलर की बिक्री हुई थी।

74,573 थ्री-व्हीलर की पिछले माह हुई बिक्री

- तीन पहिया यानी थ्री-व्हीलर सेगमेंट में भी मजबूत प्रदर्शन सामने आया। फरवरी में तीन पहिया वाहनों की बिक्री 29% बढ़कर 74,573 यूनिट रही, जबकि पिछले साल यह 57,788 यूनिट थी पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में भी फरवरी माह में अच्छी वृद्धि देखने को मिली। कुल 4,17,705 यूनिट की बिक्री हुई। यह पिछले साल के 3,77,689 यूनिट के मुकाबले 10.6% ज्यादा रही, जबकि इसमें लग्जरी ब्रांड की बिक्री शामिल नहीं रहे।

नई कारें : हाईटेक फीचर्स, नए स्टैंडर्ड्स

नई कार खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए नई लॉन्चिग ने नए अवसर और विकल्प दिए हैं। मसलन, पुरानी यादों में खोए रहने वाले खरीदारों को आखिरकार अपनी डस्टर वापस मिल गई है। टाटा सिएरा को हाथोहाथ लिए जाने के बाद अब टाटा सिएरा ईवी धमाल मचाने की तैयारी में है, तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों के लिए एबेला भी भरोसेमंद विकल्प बन सकती है, जबकि रफ्तार और परफॉर्मेंस के दीवाने एसक्यू8 को देखकर ललचा सकते हैं।

रेनॉल्ट डस्टर की पुरानी यादें नए अवतार में

- रेनॉल्ट डस्टर यह एसयूवी साल 2022 में भारत में बंद कर दी गई थी, चार साल बाद अब इसे नए अवतार में फिर से लॉन्च किया गया है। यह कार उन परिवारों के लिए आदर्श है जो सुविधाओं से भरपूर कॉम्पैक्ट एसयूवी की तलाश में हैं। माना जा रहा है कि नई डस्टर एक परिपक्व डिजाइन और अपडेटेड तकनीक के साथ क्रेटा और सेल्टोस को कड़ी टक्कर देगी। ग्राहकों को इसकी डिलीवरी अगले माह शुरू होने की उम्मीद है।
- नई डस्टर में दो टर्बो पेट्रोल इंजन ऑप्शन होंगे। पहला 1.0 लीटर टर्बो इंजन जो 100बीएचपी की पावर देगा, दूसरा 1.3 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन 163बीएचपी की पावर पैदा करेगा। सुरक्षा के लिए इसमें छह एयरबैग और 360 डिग्री कैमरा के साथ लेवल-2 एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम है। नए मॉडल में लेन कीप असिस्ट और एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल भी होगा। मजबूत बाहरी डिजाइन और अंदर डुअल डिजिटल डिस्प्ले दिए गए हैं। टॉप वेरिएंट में पैनोरमिक सनरूफ और वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें भी मिलेंगी। रेनॉल्ट डस्टर के नए अवतार की कीमत करीब 11 से 20 लाख के बीच रहेगी।

अब धमाल मचाने आ रही टाटा सिएरा ईवी

- टाटा सिएरा पिछले दिनों लॉन्च हुई चर्चित गाड़ियों में शुमार रही थी। इस कार को ग्राहकों ने कितना पसंद किया, इसका अंदाजा इसकी बुकिंग से लगाया जा सकता है, जिसने वेटिंग पीरियड लंबा कर दिया। अब टाटा सिएरा ईवी की लॉन्चिग आकर्षण के केंद्र में है। कंपनी इस इलेक्ट्रिक वेरिएंट को भी हाथोहाथ लिए जाने की उम्मीद लगाए है। टाटा सिएरा ईवी को अगले दो माह के भीतर लॉन्च किया जाएगा। यह कार रोज यात्रा करने वालों के लिए उन लोगों के लिए भरोसेमंद होगी, जिनके पास घर में चार्जिंग की सुविधा है और जो अपना मासिक ईंधन खर्च काफी कम करना चाहते हैं। सिएरा ईवी रेट्रो-प्रेरित डिजाइन को आधुनिक ईवी आर्किटेक्चर के साथ जोड़ती है। इसके इंटीरियर में टिकाऊ सामग्री और सिएरा श्रृंखला की खासियत वाला विशाल केबिन लेआउट होगा। एक बार चार्ज करने पर इसकी रेंज लगभग 500 किलोमीटर होने की उम्मीद है। डीसी फास्ट चार्जर से एक घंटे से कम समय में इसे 60 फीसदी तक चार्ज किया जा सकेगा। कंपनी का दावा है कि सिएरा ईवी ईंधन की लागत को खत्म कर देती है। कम रखरखाव और संचालन लागत इसे समान मूल्य वर्ग में पेट्रोल से चलने वाली कारों के मुकाबले बेहतर दावेदार बनाती हैं। इस कार की अनुमानित कीमत 18 से 24 लाख के बीच होने की उम्मीद है।

ई-विटारा से अलग है टोयोटा की अर्बन क्रूजर एबेला

- टोयोटा की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी अर्बन क्रूजर एबेला भी मार्केट में आ गई है। इसकी 25 हजार रुपये के साथ दो माह पहले बुकिंग की गई थी। इसकी कीमत 17 से 23 लाख रुपये एक्स शोरूम है। यह मारुति ई विटारा का टोयोटा संस्करण है, लेकिन उससे थोड़ी अलग तथा प्रीमियम है। इसमें 49 किलोवाट घंटे और 61 किलोवाट घंटे की दो बैटरी विकल्प उपलब्ध हैं, जो 543 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करेंगे। इस एसयूवी में छह एयरबैग, डुअल 10.25 इंच की डिजिटल स्क्रीन, जेबीएल साउंड सिस्टम, पैनोरमिक ग्लास रूफ और टॉप वेरिएंट में लेवल 2 एडीएएस मिलेगा। जानकारों के मुताबिक यह हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक और महिंद्रा बीई 6 को टक्कर देती नजर आएगी।

25 अपडेट्स के साथ आई नई हुंडई वरना

हुंडई इंडिया ने अपनी पॉपुलर सेडान 'वरना' का नया मॉडल पेश किया है, इसके जरिए कंपनी की नजर मिड साइज सेडान सेगमेंट के खरीदारों पर है। कंपनी ने इस लग्जरी सेडान में डिजाइन, टेक्नोलॉजी और सेफ्टी से जुड़े 25 से ज्यादा बड़े बदलाव किए हैं। एक्सटीरियर में भी कई कॉस्मेटिक और स्टाइलिश बदलाव हुए हैं। इसमें ब्लैक क्रोम रेडिएटर ग्रिल, डुअल एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप्स और नए डिजाइन के फ्रंट और रियर बंपर दिए गए हैं। कार को स्पोर्टी लुक देने के लिए 16-इंच के डायमंड-कट अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं। 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग के कारण इस कार का मुकाबला होंडा सिटी, स्कोडा स्लाविया और फॉक्सवैगन वर्टस से माना जा रहा है। इस कार को 25 हजार रुपये की राशि देकर बुक किया जा सकता है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11 लाख रुपये है।

ऑडी एसक्यू 8 में पावर और भव्यता का संतुलन

- जिन लोगों को लगता रहा है कि ऑडी स्टैंडर्ड क्यू 8 में ताकत की थोड़ी कमी है, तो एसक्यू 8 उम्मीदों पर खरी उतरने वाली है। एसक्यू 8 में इंजन तो 4.0-लीटर ट्विन-टर्बो वी8 ही लगा है, लेकिन कम ट्यूनिंग के साथ, जो 507एचपी और 770 एएम का पावर जनरेट करता है। ऑडी का दावा है कि यह कार 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार 4.1 सेकंड में पकड़ लेती है। इस एसयूवी में मैट्रिक्स एलईडी हेडलाइट्स, स्पोर्टी डिजाइन एलिमेंट्स और प्रीमियम केबिन जैसी सुविधाएं हैं और इसे कस्टमाइज्ड यूनिट के रूप में लाया गया है। यह स्टैंडर्ड क्यू8 और टॉप-रेंज आरएस क्यू8 के बीच सटीक रूप से फिट बैठती है, जिससे खरीदारों को एक आकर्षक मध्य विकल्प मिलता है। इसकी अनुमानित कीमत 1.50 से 1.90 करोड़ एक्स-शोरूम रहने वाली है।